1. **आयुष निवेश सारथी पोर्टल:** हाल ही में भारत सरकार ने 'आयुष निवेश सारथी' पोर्टल लॉन्च किया है, जो पारंपरिक चिकित्सा और वेलनेस क्षेत्रों में भारत की अग्रणी भूमिका को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
   - **आयुष निवेश सारथी पोर्टल के बारे में:** यह पोर्टल विशेष रूप से आयुष क्षेत्र में निवेशकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।
     - आयुष मंत्रालय एवं इन्वेस्ट इंडिया द्वारा विकसित।
     - नीति ढांचे, प्रोत्साहन संरचनाओं और निवेश के लिए तैयार परियोजनाओं का एकीकरण करता है।
     - आयुष क्षेत्र में निवेशकों और अवसरों के बीच सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देता है।
     - निवेशकों को भारत की 8,000 से अधिक औषधीय पौधों की प्रजातियों की संपदा से जोड़ता है।
     - भारत की पारंपरिक और विश्वसनीय वेलनेस प्रणालियों को वैश्विक निवेशक समुदाय के समक्ष प्रस्तुत करता है।
     - वेलनेस पर्यटन में निवेश को सुव्यवस्थित करके **मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (MVT)** बाजार में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करता है।
   - **राष्ट्रीय आयुष मिशन (NAM) के बारे में:** यह मिशन 2014 में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में आयुष मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों — आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी (AYUSH) — को प्रोत्साहन देना और सुदृढ़ करना है।
   - **उद्देश्य:** आयुष स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और उपलब्धता को बढ़ाना।
     - औषधीय पौधों की खेती और सतत उपयोग को प्रोत्साहित करना।
     - आयुष शिक्षा और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना।
     - आयुष प्रणालियों के स्वास्थ्य लाभों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना।
2. **इंडेक्स कार्ड्स:** हाल ही में, भारत के चुनाव आयोग (ECI) ने चुनावोत्तर रिपोर्टों के लिए इंडेक्स कार्ड्स और सांख्यिकीय रिपोर्टों को उत्पन्न करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करते हुए, निर्वाचन डेटा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।
   - **इंडेक्स कार्ड के बारे में:** यह एक गैर-क़ानूनी, **चुनावोत्तर सांख्यिकीय रिपोर्टिंग उपकरण** है, जिसमें उम्मीदवार-वार और दल-वार मत प्रतिशत तथा निर्वाचन क्षेत्र की मतदान उपस्थिति से संबंधित डेटा शामिल होता है।

- इसमें मतदाताओं की जनसांख्यिकी और लैंगिक आधारित मतदान पैटर्न शामिल होते हैं।
- यह 35 से अधिक लोकसभा और 14 राज्य विधानसभा की सांख्यिकीय रिपोर्टों का आधार है।
- शोधकर्ताओं, पत्रकारों, नीति निर्माताओं और नागरिकों द्वारा चुनावी प्रवृत्तियों और मतदाता व्यवहार का विश्लेषण करने हेतु इसका उपयोग किया जाता है।

- **ECI के बारे में:** यह एक स्थायी संवैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को की गई थी।
  - 2011 से, प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को ECI की स्थापना के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है।
  - यह संविधान के भाग-XV के अंतर्गत आता है, जिसमें अनुच्छेद 324 से 329 तक का समावेश होता है।
  - मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के अंतर्गत इनकी नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल को विनियमित किया गया है।
  - ECI लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के पदों के लिए चुनाव संचालित करता है।

3. **एन्विस्टैट्स इंडिया 2025: पर्यावरण सांख्यिकी:** हाल ही में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने **"एन्विस्टैट्स इंडिया 2025: पर्यावरण सांख्यिकी"** के **आठवें संस्करण** को नई दिल्ली में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में लॉन्च किया।
   - यह आयोजन वैकल्पिक डेटा स्रोतों और उन्नत तकनीकों के माध्यम से नीति निर्माण को सशक्त करने पर केंद्रित था।

- **मुख्य विशेषताएँ:** तापीय विद्युत उत्पादन में 2013–14 से 2023–24 के दौरान 65% से अधिक की वृद्धि हुई।
  - नवीकरणीय स्रोतों से विद्युत उत्पादन में इसी अवधि में **240% से अधिक** वृद्धि हुई।
  - **आंतरिक मत्स्य उत्पादन - दोगुने से अधिक** हो गया (2013-14 से 2023-24 तक)।
  - **वार्षिक औसत तापमान** 25.05°C (2001) से बढ़कर 25.74°C (2024) हो गया, साथ ही न्यूनतम और अधिकतम वार्षिक तापमान में भी वृद्धि हुई।
  - भारत में विभिन्न पारिस्थितिकी तंत्रों में **1,04,561 प्राणी प्रजातियाँ** पाई जाती हैं, जिनमें **20,613** समुद्री प्रजातियाँ और 22,404 मृदा प्रजातियाँ शामिल हैं, जो उच्च जैव विविधता को दर्शाता है।

- **समुद्री मत्स्य उत्पादन में 30% से अधिक** वृद्धि दर्ज की गई (2013-14 से 2023-24 तक)।
- पर्यावरण सततता क्षेत्र में 2021-22 में 2,433 करोड़ रुपये का सबसे अधिक व्यय हुआ, इसके बाद प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर व्यय हुआ; एग्रो-फॉरेस्ट्री (कृषि वानिकी) में सबसे कम व्यय हुआ।

4. **महासागर संरक्षण अंतर: 30x30 लक्ष्य की प्रगति का मूल्यांकन रिपोर्ट:** हाल ही में "महासागर संरक्षण अंतराल: 30x30 लक्ष्य की दिशा में प्रगति का आकलन" शीर्षक से एक नई रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें वैश्विक समुद्री संरक्षण प्रयासों के लिए वित्त पोषण में भारी कमी को उजागर किया गया।
   - यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन 3 (UNOC3) से पहले आई है, जो फ्रांस में आयोजित किया जाना है।

- **मुख्य निष्कर्ष:** 30x30 लक्ष्य का उद्देश्य 2030 तक विश्व के महासागरों के 30% हिस्से की रक्षा करना है।
  - रिपोर्ट के अनुसार, इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए **प्रति वर्ष 15.8 अरब डॉलर** के निवेश की आवश्यकता है।
  - वर्तमान वैश्विक खर्च **केवल 1.2 अरब डॉलर** है, जिससे **14.6 अरब डॉलर** की कमी रह जाती है।
  - यह निवेश **वैश्विक वार्षिक रक्षा बजट** का केवल **0.5%** है, फिर भी यह पूरा नहीं हो पाया है।
- **30x30 लक्ष्य के बारे में:** यह **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा** का हिस्सा है, जिसे **2022 में 196 देशों** द्वारा अपनाया गया था।
  - इसका उद्देश्य स्थलीय, अंतर्देशीय जल, समुद्री और तटीय पारिस्थितिक तंत्रों के 30% का संरक्षण और सतत प्रबंधन करना है।
- **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा (GBF) के बारे में:** जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (COP15) में दिसंबर 2022 में इसे अपनाया गया।
  - इसका उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों का समर्थन करना और 2050 तक प्रकृति के साथ वैश्विक सामंजस्य को बढ़ावा देना है।
  - **लक्ष्य और उद्देश्य: 4 वैश्विक लक्ष्य (2050 तक)** और **23 लक्ष्य (2030 तक)** निर्धारित किए गए हैं।
    - ✓ प्रमुख फोकस क्षेत्र: जैव विविधता के लिए खतरों को कम करना
    - ✓ सतत उपयोग और समान लाभ-साझेदारी सुनिश्चित करना
    - ✓ कार्यान्वयन उपकरणों को सशक्त बनाना और जैव विविधता को नीतियों में मुख्यधारा बनाना

5. **वैश्विक ऊर्जा निवेश रिपोर्ट 2025:** हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने वैश्विक ऊर्जा निवेश रिपोर्ट 2025 का दसवाँ संस्करण जारी किया।
   - इस रिपोर्ट में यह उजागर किया गया कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, जो 2025 में 2.2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है—जो तेल, गैस और कोयले में संयुक्त निवेश से दोगुना है।

- **मुख्य विशेषताएँ:** वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा निवेश 2025 में 2.2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचने की संभावना है, जो जीवाश्म ईंधनों में कुल निवेश का दोगुना है।
  - चीन ऊर्जा निवेश में अग्रणी है, जो वैश्विक कुल का 25% से अधिक योगदान देता है और 2015 से अब तक 625 अरब डॉलर से अधिक का स्वच्छ ऊर्जा व्यय कर चुका है।
  - भारत का नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश 2015 में 13 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में 37 अरब डॉलर हो गया है, और अब वह जीवाश्म ईंधनों की तुलना में चार गुना अधिक निवेश स्वच्छ ऊर्जा में कर रहा है।
  - वैश्विक स्तर पर उत्पादन पर वार्षिक 1 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए जा रहे हैं, जबकि ग्रिड्स पर केवल 400 अरब डॉलर, जिससे ग्रिड निवेश उत्पादन व्यय से पीछे रह गया है।
- **IEA के बारे में:** IEA (अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी) एक स्वायत्त अंतर-सरकारी संगठन है जो OECD ढांचे के अंतर्गत कार्य करता है।
  - यह 1973-74 की तेल संकट के बाद 1974 में स्थापित किया गया था ताकि सदस्य देशों को प्रमुख तेल आपूर्ति व्यवधानों से निपटने में मदद मिल सके।
- **मुख्य फोकस क्षेत्र:** ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास, पर्यावरणीय जागरूकता और वैश्विक सहयोग।
  - इसमें 31 सदस्य देश और 11 सहयोगी देश शामिल हैं।
  - IEA की सदस्यता हेतु उम्मीदवार देश को OECD का सदस्य होना आवश्यक है।
  - भारत ने 2017 में एसोसिएट सदस्य के रूप में IEA में शामिल हुआ।
  - यह प्रमुख रिपोर्टें प्रकाशित करता है, जैसे: विश्व ऊर्जा आउटलुक, विश्व ऊर्जा संतुलन, ऊर्जा प्रौद्योगिकी परिप्रेक्ष्य, विश्व ऊर्जा सांख्यिकी, और 2050 तक शुद्ध शून्य

6. **बन्नरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान:** हाल ही में, होलेमट्टी नेचर फाउंडेशन (HNF) द्वारा वर्ष भर चलाए गए कैमरा ट्रैप सर्वेक्षण से बन्नरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान में तेंदुओं की संख्या में वृद्धि का पता चला।

   - इस वृद्धि के परिणामस्वरूप बेंगलुरु और इसके आस-पास के वनों में 80–85 तेंदुओं की कुल आबादी हो गई है, जो मुंबई की लगभग 54 तेंदुओं की संख्या से अधिक है।

- **बन्नरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:** यह उद्यान कर्नाटक के बेंगलुरु के पास, अनेकल रेंज की पहाड़ियों में स्थित है और 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
   - इसमें बाड़ से घिरा हुआ वनयुक्त हाथी अभयारण्य है।
   - भारत का पहला तितली संलग्न क्षेत्र (बटरफ्लाई एन्क्लोज़र) यहीं खोला गया था।
   - सुवर्णमुखी जलधारा, जो पार्क में जानवरों के लिए प्रमुख जल स्रोत है, इसके केंद्र से होकर बहती है।
   - इसमें तीन प्रकार की वनस्पति पाई जाती है — शुष्क पर्णपाती झाड़ीदार वन, दक्षिणी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन, और दक्षिणी उष्णकटिबंधीय आद्र मिश्रित वन।
   - **वनस्पति (Flora):** इसमें नार्सिसस लैटिफोलिया, श्लीचेरा ओलेओसा, चंदन, नीम, इमली, बांस और यूकेलिप्टस जैसी प्रजातियाँ शामिल हैं।
   - **प्राणि जगत (Fauna):** यह क्षेत्र विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों का आवास है, जैसे— संकटग्रस्त एशियाई हाथी, भारतीय गौर, बाघ, सांबर, चीतल, तेंदुआ, जंगली कुत्ता, जंगली सूअर, भालू, सामान्य नेवला, पैंगोलिन, स्लेंडर लॉरिस और ब्लैक-नेप्ड खरगोश।